आधुनिक हिन्दी-काव्य-शिल्प

[१६००-१६४० ई०]

[प्रयाग विश्वविद्यालय की डी० फ़िल्० उपाधि के लिए स्वीकृत शोध-प्रबंध]

लेखक
डॉ० मोहन अवस्थी, एम्० ए०, डी० फ़िल्०

हिन्दी परिषद् प्रकाशन
विश्वविद्यालय, प्रयाग
१६६२